UTTARAKHAND

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग
रूद्रप्रयाग

Website-http://pwd.uk.gov.in Fax: 01364-233204, E-mail ID: eepwd_rpg@rediffmail.com

पत्र संख्या 3968 / 16 C दिनांक 24/9/2016

सेवामें,

प्रभागीय वनाधिकारी
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग
रूद्रप्रयाग।

विषय– **वनभूमि पत्रावली संख्या FP/UK/ROAD/8652/2014 जिला योजना के अन्तर्गत बर्सिल से बमोली मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 0.5950 है0 वनभूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग, को हस्तान्तरण करने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक मार्ग की वनभूमि पत्रावली ऑन लाइन अपलोड की गयी थी, जिस पर ऑन लाइन आपत्तियां लगायी गयी थी, जिनका निराकरण निम्न प्रकार है–

Sr.	EDS Details	EDS Removed as follows
1	Plz reply to obj of RO- 1. In reply to point No. 6 of EDS dated 12.06.2015, scanned copy of the Geo-referenced map of the forest land proposed to be diverted prepared by using GPS or Total Station is required to be given while Google Earth image has been provided. On such map geo-coordinates may be shown at an interval of 200 m to 300 m along the alignment and map may be resubmitted alongwith soft copies of the map.	Geo reference map with coordinates shown on interval of 200 m to 300 mtr as attached and uplacled in C-(IV)

24/9

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0
रूद्रप्रयाग।

जीयोरेफरेन्स मैप – जजनपद रूद्रप्रयाग में राज्य योजना के अन्तर्गत बर्सिल से बमोली तक मोटर मार्ग के निमार्ण हेतु (लम्बाई 1.00 किमी0)

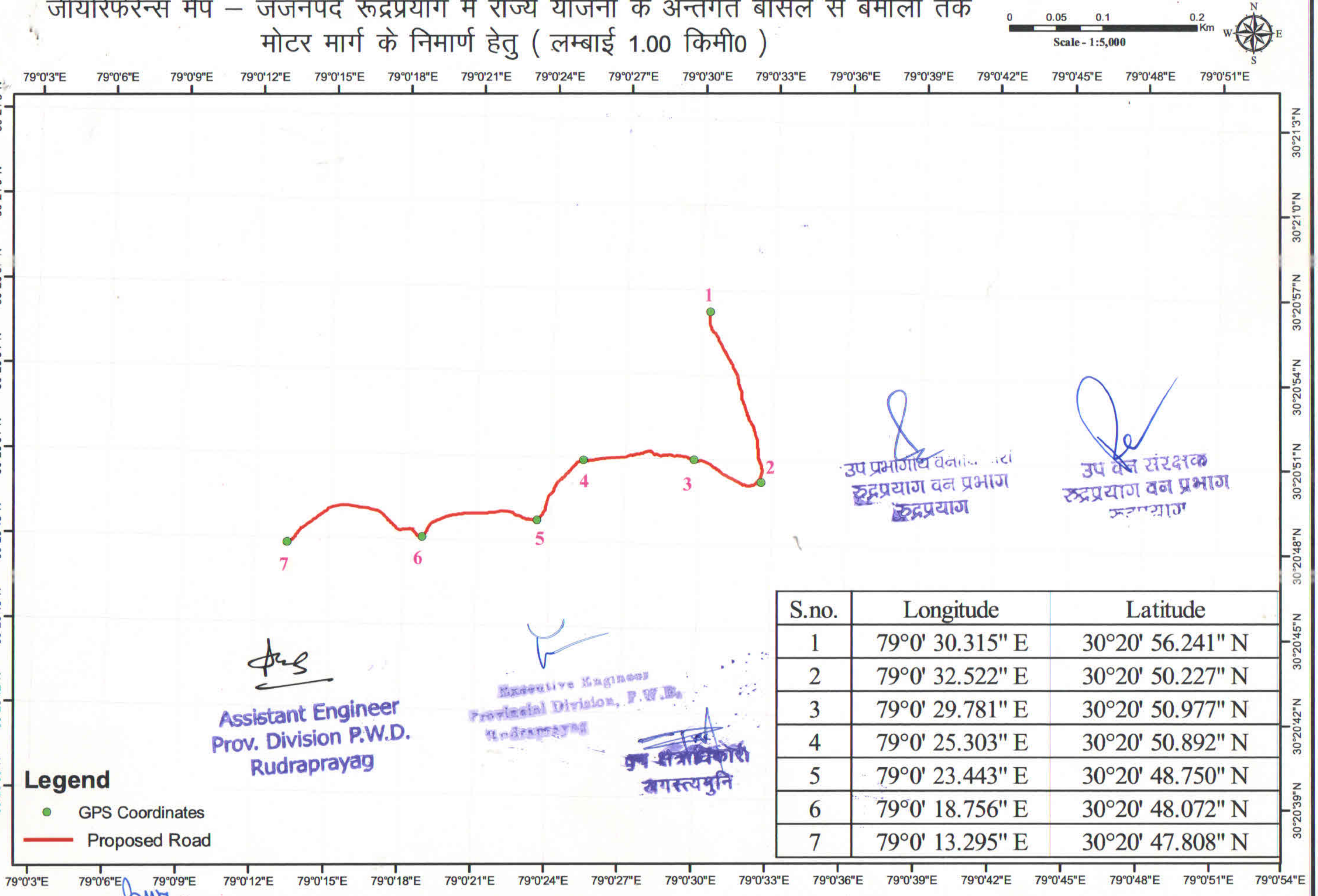

S.no.	Longitude	Latitude
1	79°0' 30.315" E	30°20' 56.241" N
2	79°0' 32.522" E	30°20' 50.227" N
3	79°0' 29.781" E	30°20' 50.977" N
4	79°0' 25.303" E	30°20' 50.892" N
5	79°0' 23.443" E	30°20' 48.750" N
6	79°0' 18.756" E	30°20' 48.072" N
7	79°0' 13.295" E	30°20' 47.808" N

परियोजना का वन भूमि मे रखे जाने का औचित्य

बमोली गांव की कुल जनसंख्या 70 है, वास्तव में इस गांव की जनसंख्या इससे अधिक है, क्योंकि गांव मोटर मार्ग से संयोजित न होने के कारण अधिकांश ग्रामीण दूसरे निकट के छोटे कस्बे जैसे तिलवाडा, अगस्त्यमुनि में पलायन कर चुके हैं। यदि यह मार्ग नही बनता है तो बचे हुए लोग भी पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं। गांव के अस्तित्व को बचाये रखने हेतु उक्त मोटर मार्ग का निर्माण आवश्यक है। साथ ही ग्रमीणों द्वारा बार–बार मोटर मार्ग निर्माण हेतु विभाग पर दबाव बनाया जा रहा है। अतः ग्रामीणों के हित में इस मार्ग का निर्माण किया जाना नितान्त आवश्यक है। यह भी सम्भवना है कि गांव को मोटर मार्ग से संयोजित होने पर पलायन कर चुके लोगों की वापस आने की प्रबल सम्भावना है एवं भविष्य में इस मार्ग का विस्तार होने पर यह ग्रामीणों के मुख्य बाजार तिलबाडा से सम्पर्क हो जायेगा।

इस मार्ग के निर्माण हेतु नाप भूमि उपलब्ध नहीं है। इस कारण संरेखण को वन पंचायत भूमि में लिया जाना ही एकमात्र विकल्प है। वैकल्पिक संरेखण में भी अधिक वन पंचायत भूमि एवं अधिक पैड़ आ रहे हैं जिस कारण वैकल्पिक संरेखण में भी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना सम्भव नहीं है।

अतः जनहित को दृष्टिगत रखते हुए परियोजना को वन पंचायत भूमि में प्रस्तावित किया गया है।

अधिशासी अभियन्ता
प्रा0ख0 रुद्रप्रयाग
रुद्रप्रयाग